ई - समाचार पत्र

सहारनपुर नगर निगम

सहारनपुर

प्रकाशक-
नगर आयुक्त
सहारनपुर नगर निगम

सम्पादकीय मण्डल -
- सच्चिदानंद सिंह
- डा० विनोद कुमार
- डी० एम० कटियार
- राजीव कुमार चौधरी
- प्रदीप कुमार मित्तल
- प्रमोद कुमार गुप्ता
- संजय प्रकाश भटनागर
- कुलदीप कुमार

विषयवस्तु :-

• प्रस्तावित कार्य	1
• जलकल अनुभाग	2
• स्वास्थ्य अनुभाग	2
• कर एवं संपत्ति अनुभाग	2
• पथप्रकाश अनुभाग	2
• लेखा अनुभाग	3
• ई-गवर्नेंस	3
• निर्माण अनुभाग	3
• अन्य	3

महत्वपूर्ण घटनाक्रम-

- दिनांक 26 जून 2015 को श्री आर. के तिवारी प्रमुख सचिव उ०प्र० शासन ने निकाय कार्यालय का निरीक्षण कर वृक्षारोपण किया।
- जल पुरुष श्री राजेन्द्र सिंह तथा श्री अरविन्द गोप, मंत्री, उ०प्र० शासन की अध्यक्षता में निकाय के सभा कक्ष में जल संरक्षण के सम्बन्ध में क्षेत्रीय बैठक का आयोजन किया गया।
- निर्माण तथा जलकल अनुभाग में ई-टेंडर की व्यवस्था लागू की गयी।

अप्रैल-जून 2015 | संस्करण-1, अंक- 1

<<< मासिक अवलोकन >>>

नगर आयुक्त की कलम से.....

शहर, राष्ट्र की अर्थव्यवस्था के विकास को नापने का पैमाना होता हैं। शहरी करण के साथ साथ शहरों के लिए भौतिक, संस्थानिक, सामाजिक और आर्थिक अवसंरचना का व्यापक विकास भी आवश्यक है।

अक्टूबर 2009 में नगर पालिका सहारनपुर को उच्चीकृत कर सहारनपुर नगर निगम के रूप में अधिसूचित किया गया तथा सहारनपुर नगर निगम ने सफलतापूर्वक 6 वर्ष पूर्ण कर लिये है । सहारनपुर नगर निगम ने सदैव अपने निवासियों की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए सहारनपुर की शहरी परिस्थितियों को आदर्श रूप में विकसित कर नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करने का प्रयास किया है। निकाय ने कार्यो में पारदर्शिता के क्रम में मासिक ई-समाचार पत्र का प्रकाशन आरम्भ किया है, जिससे नागरिकों को निकाय के माध्यम से कराये जा रहे कार्यों से अवगत कराया जा सके। इस ई-पत्रिका में एक पृष्ठ नागरिकों के विचारों के लिए भी रखे जाने का प्रस्ताव है साथ ही शहर के प्रबुद्धजनों के लिये "सपनों का शहर" नाम का स्तम्भ भी सम्मिलित किया जायेगा। आप अपने विचार तथा सुझाव से हमें दूरभाष , ईमेल तथा फेसबुक पर अवगत करा सकते हैं।

डा० नीरज शुक्ला
नगर आयुक्त ,
सहारनपुर नगर निगम

• महत्वपूर्ण प्रस्तावित कार्य-

नगर को आदर्श रूप में विकसित करने हेतु कुछ महत्वपूर्ण प्रस्तावित कार्य निम्नवत हैं -

1- निकाय के वाहनों में जी.पी.एस. ट्रैकिंग उपकरण लगाना तथा जी.पी.एस. ट्रैकिंग के माध्य से निगरानी।

2- नगर में पथ प्रकाश हेतु एल.ई.डी. लाइटों का प्रयोग।

3- फेरी व्यापारियों के पंजीकरण हेतु "नगर फेरी नीति" का क्रियान्वयन।

4- पाँवधोई नदी में गिरने वाले नालों/सीवर की रोकथाम।

5- सडकों पर कूडा डालने पर पूरी तरह प्रतिबन्ध।

6- पालीथिन के प्रयोग पर प्रतिबन्ध।

7- नागारिकों की सुविधा हेतु आवश्यक सामुदायिक/ सर्वजनिकं शौचालयों का निर्माण।

8- नगर निगम के कर विभाग को कम्पयूटरीकृत करके कर व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन।

9- नगर के प्रमुख चौराहों पर हाई मास्ट की स्थापना।

10- घर घर से कूड़ा एकत्र करने हेतु सेवा कर प्राप्त करने हेतु विचार।

11- सार्वजनिक यातायात को सुगम बनाना।

• जलकल अनुभाग-

इस वित्तीय वर्ष में जलकल अनुभाग में निविदाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता लाने हेतु ई- टेंडरिंग की व्यवस्था लागू की गयी है। वर्ष 2015-16में विभिन्न स्थानों पर पाइप लाइन डालने तथा हैण्डपम्प अधिष्ठान सम्बंधित कुल 27 निविदायें स्वीकृत हुई हैं। वर्तमान में जलकल विभाग से कुल 85 नलकूप व 2119 हैण्डपम्प अधिष्ठापित हैं और 58 हैण्डपम्प रिबोर किये जाने हैं।

नवीन नलकूप -

1- इंद्रा चौक (कमेला कालोनी)

2- धोबी वाला चौक

नलकूप को चालू किया गया है तथा रमजान माह में नगर निकाय क्षेत्र में जल आपूर्ति सुदृण की गयी है।

पांच स्थानों पर हैण्डपम्प रिबोर कराये गये हैं।

पंद्रह स्थानों के अस्थायी खराब हैण्ड-पम्प मरम्मत कर ठीक कराये गए हैं। विभिन्न स्थलों पर पाइप लाइन के 30 लीकेज मरम्मत कर जल को दूषित होने से रोका गया है।

• स्वास्थ्य अनुभाग-

नगर निगम अंतर्गत सभी 230 नालों की सफाई की जा चुकी है, जिसके लिये सुविधा प्रदाता के माध्यम से 250 श्रमिको को 12 समूहों में लगाया गया था। रमजान माह में सफाई का कार्य विशेष रूप से कराते हुए, मस्जिदों के आस पास तथा सम्बंधित मार्गों पर प्रत्येक शुक्रवार सफाई कराकर चूने का छिडकाव कराया गया है। जल भराव वाले स्थानों को चिन्हित कर जल निकासी हेतु पम्पिंग सेट लगाये गए हैं, रोस्टर बनाकर उक्त क्षेत्र में फागिंग कार्य कराया जा रहा है, साथ ही लार्वा को ख़त्म करने हेतु जला हुआ इंजन आयल डलवाया गया है। शारदा नगर क्षेत्र में रेलवे लाइन के नीचे 70 मीटर डाट की सफाई करायी गयी है, जिससे इस क्षेत्र में जलभराव समस्या समाप्त हो गयी है। ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन के क्षेत्र में मुस्कान ज्योति समिति से लगभग 18 हजार घरों से घर-घर से कूड़ा एकत्र करा कर कूड़े का वैज्ञानिक निस्तारण कराया जा रहा है। जन्म-मृत्यु के पंजीकरण आन लाइन कराये जा रहें है

शारदा नगर में रेलवे लाइन के नीचे डाट की सफाई कार्य का निरिक्षण करते नगर आयुक्त तथा अपर नगर आयुक्त

• कर एवं संपत्ति अनुभाग-

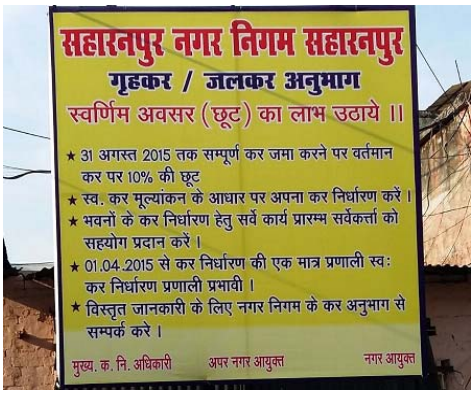

नगर क्षेत्र में करा-रोपण हेतु स्वकर निर्धारण प्रणाली के अनुसार सामान्य सर्वे के माध्यम से 15000 से अधिक भवनों का सर्वे कार्य पूर्ण कराया जा चुका है। सर्वे के आधार पर कम्प्यू-टरीकृत बिल निर्गत किया जा रहा है। नियत अवधि में भुगतान पर 10% छुट का लाभ दिया जा रहा है। संपत्ति कर के निर्धारण हेतु न्यूनतम मासिक किराये की दरों का पुनरीक्षण कर लागू किया गया है। गृहकर अभिलेखों में नामांतरण हेतु शुल्क की दरों का पुनरीक्षण कर लागू किया गया है। मोबाइल टावर हेतु **"टावर नियंत्रण एवं विनियमन संबंधी उपविधि"** को लागूकिया गया है। विज्ञापन नियमावली तैयार कर अनुमोदनार्थ शासन को प्रेषित की गयी है जो अनुमोदनोपरान्त लागू होगी। सामान्य सर्वे के माध्यम से करारोपण में एकरूपता स्थापित होगी। नगर निगम में अन्य विभिन्न सेवाओं - नक़ल फीस, लाइसेंस फ़ीस इत्यादि की दरों को पुनरीक्षित किया गया है जो सरकारी गजट में प्रकाशन के उपरान्त लागू होंगी।

• पथप्रकाश अनुभाग-

नगर निगम की ओर से अपने निवासियों हेतु उत्तम पथ प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। नगर में कुल 18978 पथ प्रकाश बिंदु स्थापित है तथा नियमित रूप से ख़राब बिन्दुओं का अनुरक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाता है की 95% से अधिक बिंदु सदैव प्रकाशित रहें। नगर निगम ने नयी 1 50 वाट की फिटिंग लगा कर पथ प्रकाश व्यवस्था को और अधिक सुदृड़ बनाया है प्रकाश बिंदु समय से जलाने तथा बुझाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गयी है। कुल 1213 पथ प्रकाश बिन्दुओं का अनुरक्षण किया गया है।

शब-ए-बारात एवं रमजान के अवसर पर मस्जिदों, कब्रगाहों तथा मुस्लिम एवं मलिन बस्तियों में उच्चकोटि की प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करायी गयी, जिसकी प्रशंसा विभिन्न समाजसेवी संगठनों ने की है।

पथ प्रकाश से सम्बंधित उपकरणों की गुणवत्ता की जांच करते अपर नगर आयुक्त तथा अन्य अधिकारीगण।

• लेखा अनुभाग-

सहारनपुर नगर निगम हेतु वित्तीय वर्ष 2015-16 में 194 करोड़ का बजट प्रस्तावित है। वित्तीय वर्ष 2013-14 तक महालेखाकार व स्थानीय निधि लेखा का आडिट कराया जा चुक है। बैलेंस शीट तैयार करने का कार्य सी.ए.फर्म के माध्यम से कराया जा रहा है । आंकड़ो को कम्पूटराइज करने हेतु दोहरी लेखा प्रणाली का प्रयोग किया जा रहा है ।निकाय के सभी कार्मिकों का वेतन/पी.ऍफ़. अध्यावधिक किया जा चुका है लेखा अनुभाग के कम्प्यूटरीकरण के क्रम में वेतन एवं टैक्स हेतु कस्टमाइज साफ्टवेयर का प्रयोग किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2015-16 तक लेखा विभाग में किसी भी कर्मचारी के देय अवशेष नहीं हैं ।

• ई-गवर्नेंस-

निकाय अंतर्गत सभी अनुभागों में आवश्यकतानुसार कम्प्यूटर/ प्रिंटर/ यू. पी.एस. तथा कंप्यूटर से सम्बंधित उपकरण उपलब्ध कराये जा चुके हैं, सभी कम्प्यूटरों पर इटरनेट उपलब्ध है। निर्माण तथा जलकल अनुभाग में ई-टेंडरिंग आरम्भ करायी जा चुकी है । गृहकर अनुभाग के कंप्यूटराइजेशन का कार्य प्रगति पर है ।

ई-गवर्नेंस अंतर्गत ई नगर सेवा के पीआईएस, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, जनशिकायत, ई-टेंडर, जनसूचना मोडयुल पर कार्य किया जा रहा है ।

लेखा अनुभाग में सीएमसी के विकसित राज्य स्तरीय दोहरी लेखा प्रणाली का प्रयोग किया जा रहा है ।

जेएनयूआरएम की क्षमता संवर्धन योजनान्तर्गत सिटी आरपीएमसी का गठन किया जा चुका है । जिसमे स्थानीय निकाय निदेशालय ने एक आईटी विशेषज्ञ की नियुक्ति कर दी है ।

• निर्माण अनुभाग-

निर्माण अनुभाग मुख्यत: सड़क, नाली तथा सीवर निर्माण/मरम्मत का कार्य करता है । इस अनुभाग में पिछले वित्तीय वर्ष से ही ई-टेंडर की व्यवस्था लागू हो चुकी है । वित्तीय वर्ष 2015-16में कुल 248 कार्य प्रगति पर हैं और नये कार्यों के लिए ई-टेंडर की कार्यवाही चल रही है । रमजान के माह में विशेष रुप से समस्त ईदगाह/मस्जिदों के आस-पास के मार्गों के मरम्मत कार्य कराये गये हैं ।

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत जनमंच में दो शौचालयों (महिला-पुरुष हेतु अलग अलग) का निर्माण कार्य कराया जा रहा है । पीपीपी माडल के अंतर्गत रेलवे स्टेशन/बस स्टैंड के निकट आई.टी.सी. के सौजन्य से शौचालय का निर्माण कराया जा चुका है ।

• अन्य -

नगर निगम शिकायतों के निस्तारण हेतु आनलाइन पब्लिक ग्रीवांस सिस्टम का प्रयोग कर रहा है तथा कुल 639 प्राप्त शिकायतों में से 405 शिकायतों का ससमय व् गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया है, शेष शिकायतें मुख्यतः सड़क निर्माण की मांग से सम्बंधित है। जिनके सम्बन्ध में बजट को ध्यान में रखते हुए कार्य-वाही की जा रही है । उक्त समस्त व्यवस्था का उच्चाधिकारियों के स्तर से नियमित व गहन अनुश्रवण किया जाता है तथा शिकायतकर्ताओं से दूरभाष पर वार्ता कर निस्तारण का सत्यापन व गुणवत्ता की सूचना प्राप्त की जाती है ।

शिकायत हेतु हेल्प लाइन नं0- 1800-180-5432 तथा 1800-180-3316